UPPSC

CSAT

HINDI

BY – JITENDRA SONI SIR

10H

→ H - T ✓
→ H → T
→ UP → T
→ P → T
→ G → T

आज

7
14
21

हिंदी

1. सत्य
2. चेतना
3. आनन्द ✓

सुख

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

By – Jitendra Soni Sir

अङ्गा

क ख ग घ ङ

च छ ज झ ञ

ट ठ ड ढ ण (ड़ ढ़)

त थ द ध न

प फ ब भ म

हिंदी → A ✓

हिन्दी → B ✓

गंदा = गन्दा → न

गंभीर = गम्भीर → म्

गंगा = गङ्गा → ङ्

अंत = अन्त

अङ्गा

गाङ्गा X

अलंकार - क् ख् ग् घ् ङ्

अलङ्कार ✓

अलन्कार ✗

(1) हिन्दी वर्णमाला, विराम चिह्न

(2) शब्द रचना, वाक्य रचना, अर्थ

(3) शब्द-रूप

(4) संधि, समास

(5) क्रियाएँ

(6) अनेकार्थी शब्द

(7) विलोम शब्द

(की मुख्य बोलियाँ

(8) पर्यायवाची शब्द

(9) मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ

(10) तत्सम एवं तद्भव, देशज, विदेशी (शब्द भंडार)

(11) वर्तनी

(12) अर्थबोध

(13) हिन्दी भाषा के प्रयोग में होने वाली अशुद्धियाँ

(14) उत्तर प्रदेश की मुख्य बोलियाँ

By – Jitendra Soni Sir

(रान)

⇒ संधि - 1

⇒ समास - 2

⇒ उपसर्ग - 3

⇒ प्रत्यय - 4

(:) → ×

Eg ८ → चन्द्र →

विदेशी

✓ डॉक्टर → Eng

4:15 → 5:00

45 min

2 लाख +

① विद्या + आलय = विद्यालय

आ + आ = आ

② राजा की कुमारी

= राजकुमारी

85% → हिंदी + भारतीय भाषाओं

15% → विदेशी → सर्वाधिक → फारसी

सेठ + आनी

= सेठानी

→ प्रत्यय

प्र + हार = प्रहार

↓

उपसर्ग

वर्णमाला

हिंदी

राज० →

MP →

UP →

HP

Hr

D

(18) → बोलियाँ

4:15

प फ ब भ म

गंभीर

गम्भीर

गं

प्रश्न संख्या 81 से 85 के लिए :

अधोलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा प्रश्न संख्या 81 से 85 के उत्तर इस गद्यांश के आधार पर दीजिए :

लोभ चाहे जिस वस्तु का हो जब वह बहुत बढ़ जाता है तब उस वस्तु की प्राप्ति, सानिध्य या उपभोग से जी नहीं भरता। मनुष्य चाहता है कि वह बार-बार मिले या बराबर मिलता रहे। धन का लोभ जब रोग होकर चित्त में घर कर लेता है, तब प्राप्ति होने पर भी और प्राप्ति की इच्छा बराबर बनी रहती है जिससे मनुष्य सदा आतुर और प्राप्ति के आनन्द से विमुख रहता है। जितना नहीं है उतने के पीछे जितना है उतने से प्रसन्न होने का उसे कभी अवसर ही नहीं मिलता। उसका सारा अन्त:करण सदा अभावमय रहता है। उसके लिए जो है वह भी नहीं है। असन्तोष अभाव-कल्पना से उत्पन्न दु:ख है; अत: जिस किसी में यह अभाव-कल्पना स्वाभाविक हो जाती है सुख से उसका नाता सब दिन के लिए टूट जाता है। न किसी को देखकर वह प्रसन्न होता है और न उसे देखकर कोई प्रसन्न होता है। इसी से सन्तोष सात्विक जीवन का अंग बताया गया है।

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR
By – Jitendra Soni

86. 'अवगुंठन' का अर्थ है :

(a) घूँघट (b) अँगूठा

(c) गाँठ बाँधना (d) गूँथना

87. "जैसा करोगे वैसा भरोगे", वाक्य में सर्वनाम है :

(a) निजवाचक सर्वनाम

(b) निश्चयवाचक सर्वनाम

(c) सम्बन्धवाचक सर्वनाम

(d) पुरुषवाचक सर्वनाम

88. प्रतिपदा का उपयुक्त अर्थ है :

(a) एकादशी (b) पूर्णिमा

(c) विरोधिनी (d) पक्ष की पहली तिथि

91. अधोलिखित में एक पर्यायवाची युग्म सही नहीं है ?

(a) पुरन्दर – अमरपति

(b) सरोवर – पुष्कर

(c) जलधि – अम्बुद

(d) फणी – उरग

92. "गूलर का फूल होना" का अर्थ है :

(a) लाल पीला होना

(b) सुन्दर होना

(c) विवर्ण होना

(d) दुर्लभ होना

93. 'भभूत' का तत्सम शब्द है :

(a) विभूति
(b) भभूति
(c) बभूति
(d) भवभूति

94. "सदैव" में सन्धि है :

(a) वृद्धि सन्धि
(b) यण सन्धि
(c) व्यंजन सन्धि
(d) गुण सन्धि

95. अधोलिखित में वर्तनी की दृष्टि से एक शब्द अशुद्ध है :

(a) अन्तर्धान (b) अनुगृहीत

(c) आध्यात्म (d) अधीन

96. कन्नौजी बोली किस जनपद में बोली जाती है ?

(a) मेरठ जनपद

(b) देहरादून जनपद

(c) हरदोई जनपद

(d) मथुरा जनपद

97. अधोलिखित में से एक भोजपुरी क्षेत्र नहीं है :

(a) देवरिया (b) मिर्जापुर

(c) इलाहाबाद (d) बलिया

98. फैजाबाद जनपद में बोली जाने वाली बोली है :

(a) खड़ी बोली (b) बघेली

(c) ब्रजभाषा (d) अवधी

99. अधोलिखित में से कौन बोली उत्तर प्रदेश की नहीं है ?

(a) ब्रज (b) अवधी

(c) भोजपुरी (d) बघेली

100. अधोलिखित में से तद्भव शब्द है :

(a) प्रत्यभिज्ञान (b) परिधान

(c) पिटक (d) पिटारा

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

KHAN GLOBAL STUDIES

Most Trusted Learning Platform

THANKS FOR WATCHING